JNU Just In

An initiative of School of Media Studies

JNU Just In | Jaipur | February 2024 | Vol.: 7 | Issue: 02 | Pages: 10 | Price: 1| Monthly Bilingual (Hindi/English)

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी का 13वां दीक्षांत समारोह

भारत में हो रहे बदलाव का केंद्र युवाशक्ति: गजेन्द्र सिंह शेखावत

- असफलता को अवसर में बदलने की क्षमता ही सफलता की कुंजी – डॉ संदीप बक्शी
- 8000 से ज्यादा छात्रों को मिली डिग्रियां

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के 13वें दीक्षांत समारोह का आयोजन जेएनयू मेन कैंपस में आयोजित किया गया। इस दीक्षांत समारोह में वर्ष 2023 के उत्तीर्ण 8000 से अधिक विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मंत्री, जल शक्ति, भारत सरकार और विशिष्ट अतिथि, राजस्थान, श्री रामचरन बोहरा, सांसद, जयपुर और श्री कैलाश चंद वर्मा, विधायक बागरू, राजस्थान थे। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ अतिथियों के आगमन तथा एकेडेमिक प्रोसेशन से हुआ। इसके पश्चात् अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया। जेएनयू के चांसलर डॉ संदीप बक्शी द्वारा दीक्षांत समारोह की औपचारिक शुरूआत की उद्घोषणा की गई।

कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के गोल्ड मेडल, पीएचडी, एमडी, एमबीबीएस, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा डिप्लोमा कोर्स के छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मंत्री, जल शक्ति, भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के समय में संपूर्ण विश्व की निगाहें भारत की तरफ हैं, भारत विकसित होने की ओर अग्रसर है जिसमें शिक्षा का योगदान नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र मे सराहनीय कार्य करने के लिए जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बक्शी को बधाई दी। विश्वपटल पर भारत की छवि को नई ऊंचाइयों पर ले जाने तथा जेएनयू के आगामी दुबई कैंपस की स्थापना को लेकर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को सराहा। अपने वक्तव्य में कहा कि मैं यह जानकर आश्चर्यचकित हूं कि एक ही वर्ष में जेएनयू के 15 पेटेंट्स तथा 55 पीएचडी हैं जिसके लिए मैं डॉ बक्शी की सराहना करता हूं। अपने उद्बोधन में कहा कि छात्रों के पास परिवर्तन लाने के लिए नए विचार, अटूट आत्मविश्वास और प्रचुर ऊर्जा है। उन्होंने उनसे अपने करियर को विकसित करने और सेवा के माध्यम से अपने सामाजिक कर्तव्यों को पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने अनुसंधान एवं अध्ययन से भारत को विकसित करने में अपना योगदान दें। भारत में हो रहे बदलाव का केंद्र युवाशक्ति ही होगी जो न केवल अपनी प्रतिभा से भारत को गौरवान्वित करेगी वरन उसकी साक्षी भी होगी। देश की आजादी के 75 वर्षों के पश्चात् हम अपनी शिक्षा पद्धति को अपनी सांस्कृतिक धरोहर तथा गुरू शिष्य परंपरा के अपने मूलस्वरूप में स्थापित कर रहे हैं। हम सब सौभाग्यशाली हैं क्योंकि युवा शक्ति अपनी पूर्ण क्षमता से योगदान कर रही है यह निश्चित है कि आने वाले वर्षों में भारत विकसित होगा।

असफलता को अवसर में बदलने की क्षमता ही सफलता की कुंजी – डॉ संदीप बक्शी

कार्यक्रम के दौरान जेएनयू के चांसलर डॉ संदीप बक्शी ने छात्रों को जीवन में सफल होने का आशीर्वाद देते हुए कहा, कि छात्रों का भविष्य,

शेष पृष्ठ 9 पर...

JNU Just In
An initiative of School of Media Studies

स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज़ में फोटो प्रदर्शनी

"कैमरा फोटो नहीं बनाता, यह विज़न है जो छवि को उभारता है" – डॉ. संदीप बख्शी

'फोटो लेना कला कौशल या जुनून हो सकता है, लेकिन यह फोटोग्राफर के दृष्टिकोण को भी संप्रेषित करता है। यह दर्शकों तक कुछ सार्थक लेकर जाने के बारे में है', यह बात जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी ने स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनी में कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी भी काम का अभ्यास करता है, तब वह अपना पहला कदम पूर्णता अर्थात् पर्फेक्शन की ओर बढ़ाता है।

स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज ने आईक्यूएसी और लेंस क्वेस्ट क्लब के सहयोग से 20 फरवरी, 2024 को जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के एसएडीटीएम, कैंपस में फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. संदीप बख्शी चांसलर, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। डॉ. बख्शी ने कहा कि फोटो का एंगल, लेंस और अभिव्यक्ति का क्षण व्यक्ति की मानसिकता से जुड़ा होता है, जो किसी फोटो के रूप में प्रदर्शित होता है।

- सामाजिक संदेश, असामान्य प्रकाश व्यवस्था, त्यौहार और संस्कृति, सहयोग और सिल्हूट फोटोग्राफी (प्रकाश के विरूद्ध फोटो)
- एपर्चर, शटर स्पीड, और आईएसओ, विभिन्न प्रकार की सेटिंग्स, रूल ऑफ थर्ड्स, लीडिंग लाइन्स, फ्रेमिंग, प्राकृतिक और कृत्रिम प्रकाश का उपयोग, लॉन्ग एक्सपोजर, एचडीआर, और पैनोरामिक शॉट

प्रदर्शनी के संयोजक गौरव शर्मा ने अतिथियों को तस्वीरों के चयन में प्रयुक्त फोटोगाफी के मानदंडों (एपर्चर, शटर स्पीड, और आईएसओ, विभिन्न प्रकार की सेटिंग्स, रूल ऑफ थर्ड्स, लीडिंग लाइन्स, फ्रेमिंग, प्राकृतिक और कृत्रिम प्रकाश का उपयोग, लॉन्ग एक्सपोजर, एचडीआर, और पैनोरामिक शॉट) के बारे में बताया। तस्वीरों की चयन प्रक्रिया विभिन्न विषयों और श्रेणियों – सामाजिक संदेश, असामान्य प्रकाश व्यवस्था, त्यौहार और संस्कृति, सहयोग और सिल्हूट फोटोग्राफी (प्रकाश के विरूद्ध फोटो) पर आधारित थी। प्रदर्शनी में देश भर के कॉलेजों से प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गईं, प्राप्त 1000 प्रविष्टियों के पूल से छात्रों की सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों का सावधानीपूर्वक चयन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 250 चित्र प्रदर्शित किए गए।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रो. एच. एन. वर्मा ने कहा कि यह एक कौशल है जिसे निखारा जाना चाहिए और निरंतर अभ्यास से अधिक पूर्णता लाई जा सकती है। जेएनयू के उपकुलपति प्रो. आर. एल. रैना, रजिस्ट्रार, विभिन्न विभागों के निदेशकों, फैकल्टी तथा छात्रों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनी में अनुभवी फोटोग्राफरों और उभरती प्रतिभाओं, दोनों को अपनी रचनात्मकता और कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। प्रदर्शनी में फोटोग्राफी के प्रति उत्साही छात्रों, शिक्षकों और फोटोग्राफी क्लब के सदस्यों ने उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराई।

रवि सैनी, एमएजेएमसी द्वितीय

जेएनयू के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तीन दिवसीय खेल उत्सव स्पोर्ट्सफिया-2024

22–24 फरवरी के दौरान आयोजित तीन दिवसीय खेल आयोजन के दौरान, लगभग 1500 छात्र विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, एथलेटिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया । विभिन्न टीमों को शार्क, लायन, ग्लेडिएटर, वॉरियर्स, रॉयल किंग जैसे नाम दिए गए हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, लाइफ एंड बेसिक साइंस, कंप्यूटर सिस्टम और साइंस, कृषि, एलाइड, लॉ , स्कूल ऑफ एएचएस, फार्मा, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, शिक्षा, मीडिया और होटल प्रबंधन आदि के छात्रों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया ।

डॉ. बख्शी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि खेल व्यक्ति में विभिन्न गुण प्रदान करके उसके व्यक्तित्व को निखारते हैं। खेल–कूद से सतर्कता, शिष्यत्व, टीम भावना, मानसिक क्षमता, आत्मविश्वास और एकाग्रता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि जेएनयू का खेल परिसर केवल छात्रों के लिए स्थापित किया गया था और उन्हें नियमित आधार पर विश्वविद्यालय के खेल परिसर में इनडोर/आउटडोर खेलों का उपयोग करना चाहिए। डॉ. बख्शी ने छात्रों और शिक्षकों से खेल कौशल को निखारने और नियमित रूप से खेल गतिविधियों का आयोजन करने का आग्रह किया।

भूमिका व्यास, बीएजेएमसी द्वितीय

You are a Woman

You shouldn't be judged by what you wear,
you are a lot more than whom you fear.
You are not only a piece of entertainment, you are not meant for their immoral judgment.

Your sacrifices for that little smile,
you are a lot more than showpiece fragile. You are not only meant for their demands, you have a lot more to do than follow their commands.

You go through so much pain,
But don't you think it is all in vain?
You still care and worry about them,
you should realize even you deserve the same.

You are not meant for pleasing a man,
For everything you don't need a man.
You are so brave in your own
Even more capable than you've shown.

Dauntless , tenacious and bold,
Bearing so much with stories untold.
Not meant for anyone's mudslinging,
Nobody has a right to question your upbringing.

You are a confident to someone,
You mean the world to another,
A sister, a daughter and a sacrificial mother.
Allegated by many yet admired by someone,

Yes, You are a Proud Woman.

Saniya Rizwan, BA (Hons) English II sem
School of Language and Literature

JNU Just In
An initiative of School of Media Studies

जेएनयू में संपन्न हुआ साइंस वीक साईफाई-2024

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में 21–28 फरवरी के मध्य आयोजित हुए 'साइंस वीक का मुख्य उद्देश्य विकसित भारत के विकास में स्वदेशी तकनीकों से विद्यार्थियों को अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे पोस्टर मेकिंग, मॉडल मेकिंग, क्विज़, फोटोग्राफी, शॉर्ट मूवी मेकिंग, डिबेट, स्टोरी ऑफ यूनिवर्स पर लैक्चर और क्विज़, साइंटिफिक रंगोली, रिव्यू पेपर राइटिंग, स्लोगन राइटिंग आयोजित किये गए। इन कार्यक्रमों में यूनिवर्सिटी के सभी संकायों के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि श्री रवि कुमार, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, संपर्क विभाग, आरएसएस ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आगामी वर्ष बहुत महत्त्वपूर्ण हैं इन वर्षों में युवा कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्म श्रद्धा से कार्य करेंगे तो विकास के रास्ते खुलेंगे। इनोवेशन, टेक्नोलोजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, संस्थान एवं कल्चर से ही संस्थान और देश विकसित होता है। युवा ही अपने नये विचारों से भारत को विकसित बनाने में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यूनिकार्न, यूपीआई और बायोटॉयलेट आदि आविष्कार भारतीयों ने किये हैं और आगे भी कई अविष्कार करेंगे। इस वर्ष के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के लिए चुनी गई थीम "विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक" (विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक) है। यह सामाजिक कल्याण के लिए घरेलू तकनीकी समाधानों को बढ़ावा देने की देश की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

श्री मदन दिलावर, कैबिनेट मंत्री स्कूल शिक्षा और पंचायती राज विभाग राजस्थान सरकार ने कहा कि विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना उन्हें आगे बढ़ाने में सहायक होती है। विकसित भारत बनाने के लिए प्रतिभाओं को सामने लाना जरूरी है और इस कार्य को जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी प्रतिस्पर्धात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से बखूबी कर रहा है। एक बेहतर भविष्य के लिए विज्ञान और इसकी परिवर्तनकारी शक्ति की महान खोज के लिए खुद को फिर से प्रतिबद्ध करें। उभरते वैज्ञानिकों का समर्थन करना और उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन प्रदान करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वदेशी वैज्ञानिक, चंद्रयान, मंगलयान तथा आदित्य मिशन के जरिये अंतरिक्ष के गूढ़ ज्ञान को टटोलने का प्रयास कर रहे हैं। हमें पोलियो की वैक्सीन 40 वर्षों के बाद मिली परंतु हमने कोरोना की वैक्सीन को पूरे विश्व भर में उपलब्ध करवाई।

आरएसएस के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख, श्री स्वांत रंजन ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी पुरातन पीढियों को खगोल विज्ञान का ज्ञान था, दिशा ज्ञान तथा कैमिस्ट्री के निहित आने वाले विभिन्न रसायनों का ज्ञान था जिसका उदाहरण कुतुबमीनार स्थित लौह स्तंभ है जिसके लोहे में कभी जंग नहीं लगता। आज हम स्वदेशी तकनीक से मिसाईल टैंक, लड़ाकू विमान तथा कई रक्षा उपयोगी उपकरणों का आविष्कार कर भारत आत्मनिर्भर बन रहा है। अब आने वाली पीढ़ी का दायित्व है कि वह इस परंपरा को आगे बढ़ाए और विश्व में भारत का गौरव बढ़ाए।

जेएनयू के चांसलर, डॉ. संदीप बक्शी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि "विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक" को प्राप्त करने में तथा 2035 तक भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जिसमें आज के शिक्षित युवाओं का योगदान और राष्ट्रीय मिशन के साथ भागीदारी जरूरी है। जेएनयू की प्रतिबद्धता समाज के प्रति सेवा भाव की रही है जिसका उदाहरण कोविड के समय 850 बेड वाली क्षमता के कोविड हॉस्पिटल को स्थापित करके दिया। हमारी पहचान में हम वैि वक स्तर तक अपनी उपस्थिति छात्रों के माध्यम से दर्ज करा चुके हैं। प्रतिवर्ष हमारे हजारों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करके विश्व भर में सफलता का परचम फहराते हैं।

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर, रिसर्च एंड एकेडेमिक्स, प्रो डॉ. योगेश चंद्र शर्मा ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आईक्यूएसी सेल का उद्देश्य यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों जैसे तकनीकी, वैज्ञानिक, कला, प्रबंधन आदि सभी शैक्षणिक प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी का दिन भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज और उनके नोबेल पुरस्कार की याद

शेष पृष्ठ 7 पर...

Horror Movies - Popular Genre

Horror movies have been a popular genre in the film industry for decades, captivating audiences with their ability to evoke fear, suspense, and adrenaline. This story report aims to explore the impact of horror movies.

Numerous studies have examined the psychological effects of horror movies on viewers. Research has shown that watching horror films can trigger a range of emotional responses, including fear, anxiety, and arousal.

These films often rely on suspenseful storytelling, graphic imagery, and sound effects to create a sense of unease and tension in audiences.

The psychology behind why we love (or hate) horror which explains how horror movies can elicit both negative and positive emotions in viewers.

Cinematography in horror films often incorporates perspective shots, tracking shots, wide shots, and extreme close-ups.

Close-ups on character faces can make the audience relate to protagonist's terror and emotions. But in many horror films, film-makers may capture an extreme close-up shot on a specific facial feature- especially eyes- to express emotion without words.

In chapter," rhythm and moving shots," from the novel, the aesthetics and psychology of cinema by Jen Mitry, highlights the cuts, movements, and placement of shots.

We choose to watch horror movies even if we know they can be violent, bloody, and gruesome. People are attracted to the eerie music in the background and enjoy the thrill as the music heightens when the character is in danger.

The oldest Bollywood horror movie was "Shadi ki Raat" released in 1935. It was directed by Mohan Dayaram Bhavnani and starred Nargis. It was an IMDb rating of 6.1 out of 10.

The story revolves around the life of a kind and sweet girl living with her family and her family wanted a fortune for her and arranged her marriage with a kind man and they meet before their marriage and feels in love with each other- but things get complicated in their wedding night which causes their life into trouble but fate plays its role leading to consequences. After this many horror movies came into existence and tested audiences' ability.

The undisputed king of the horror genre the influence of 'the exorcist' cannot be overstated. But it also remains a frightening film with visuals that have been burned into back of the minds of everyone who have seen this just once.

This movie was directed by William Friedkin and written by William Peter Blatty. The exorcist, American horror film released in 1973. The movie stars Ellen Burstyn, Max Von Sydow, Linda Blair, Jason Miller, and Lee J. Cobb. The story chronicled a single mother's struggle to save her daughter from a mysterious ailment, later revealed to be demonic possession. She enlists the help of two Roman catholic priests who attempt to perfume exorcism. Though it was initially received with mixed reviews. The exorcist was a massive commercial success, bringing in $428 million in its box-office run. It also earned 10 Academy Award nominations, including for best picture and best director (the film would win two Oscars, for sound design and adapted screenplay). The exorcist is a stylistic landmark for the supernatural horror genre and widely considered one of the greatest and most unsettling horror movies ever made.

1920 (2008) Directed by Vikram Bhatt a period horror drama that will make most Bollywood horror list, 1920 follows Arjun (Rajneesh Duggal) a well-known architect, who decides to marry a girl from a different caste, Lisa (Adah Sharma). When his family stands against their marriage and tries to kill Lisa, Arjun shuns his identity as a Hindu and decides to move away. fortunately, Arjun gets an opportunity to renovate a stately old manor. But as things go most horror films set in old manors, Lisa and Arjun became a victim of a vengeful spirit.

Set in the year 1920 the film is known for its elaborate sets and picturesque location that lend their own flavor to the film's story. Many more films in Bollywood takes place after this and some of them were counted in most horror movies.

Ek Thi Daayan in 2013 directed by

contd. on page 6...

World Radio Day

School of Media Studies celebrated World Radio Day on February 13, 2024, with great zeal and enthusiasm. The event aimed to commemorate the significance of radio as a powerful medium of communication and its invaluable contributions to global development. 50 students participated in various activities related to the relevance of radio in today's digital age.

Dr. Kiran Walia, HoD, School of Media Studies, extended a warm welcome to all participants and guests attending the World Radio Day celebration. She underscored the importance of radio as a dynamic medium that continues to evolve and adapt to the changing communication landscape. Dr. Walia emphasized the need to celebrate and acknowledge the enduring legacy of radio in shaping public discourse and fostering community engagement.

Guest of Honor, Dr. Yogesh Sharma, Director IQAC, inspire students to explore the multifaceted dimensions of radio and its potential to drive positive change in society.

The celebration commenced with an exhilarating quiz competition, testing students' knowledge of radio history, famous personalities, and significant milestones in broadcasting. Creativity took center stage during the jingle making contest, where students showcased their innovative prowess by crafting catchy and impactful jingles highlighting the importance of radio in contemporary society.

The celebration also featured vibrant cultural performances, including music, dance and a quiz underscoring the diversity of radio content and its ability to transcend cultural boundaries.

A thought-provoking discussion was held on radio's profound contribution to development, emphasizing its role in disseminating information, promoting education, and empowering communities worldwide. The event served as a poignant reminder of radio's profound impact on global communication and development.

Zara Amjad, BAJMC 2nd

Horror Movies - Popular Genre ***contd. from page 6...***

Kannan Iyer. Emraan Hashmi plays a role of magician who is suffering from trauma of his past as he believes his father and sister were killed by witch when he was child. Building on the myth of the daayan a practitioner of black magic in Indian folklore, Ek Thi Daayan. These were the horror movies of Bollywood which have taken a horror content to its peak.

Indian horror cinema after this takes a place and provides audiences a vast content of horror films. The findings of this study suggest that while horror movies can evoke strong emotional responses in viewers the long-term effects of watching these films on audience perception and behavior may be limited. While horror movie may elicit fear and suspense in audiences, they are unlikely to significantly alter individuals' attitudes or behavior in real life. It is important for film makers and researchers to continue exploring the psychological effects of horror movies to better understand their impact on audiences

Further research is needed to fully understand the psychological effects of horror movies and how they shape individuals attitudes and actions.

Priya Ranjan, MAJMC 2nd

Basant Panchmi Celebration @ SMS

School of Media Studies, in collaboration with the Internal Quality Assurance Cell (IQAC), organized an event aimed to honor the traditions of Vasant Panchami and Saraswati Puja.The main objective of the program was to welcome the spring season, to understand climate change's connection with Indian culture, and to pay tribute to the soldiers of the Indian Army who lost their lives in the Pulwama attack. Students of Media Studies participated actively in the activity.

Dr. Kiran Walia, HoD, School of Media Studies, extending greetings to all faculty members, guests, and students underscored the significance of Vasant Panchami and Saraswati Puja in Indian tradition, emphasizing the importance of cultural heritage in shaping societal values.

A solemn moment of remembrance was observed to honor the brave soldiers of the Indian Army who sacrificed their lives in the Pulwama attack. Students showcased their talents through various cultural performances, including traditional dances, songs, and poetry recitals, celebrating the onset of spring and the spirit of Indian culture.

Short documentaries were also presented to shed light on the significance of Vasant Panchami and its cultural relevance, as well as the Pulwama attack, highlighting the need for unity and resilience in the face of adversity.

The collaboration between the School of Media Studies and IQAC to organize the cultural cum informative session exemplifies the institution's commitment to promoting holistic education and fostering social consciousness.

Rakhi Udawat, BAJMC 2nd

साइंस वीक साईफाई-2024 ... पृष्ठ 4 से आगे...

दिलाता है। यह दिवस वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों की उपलब्धियों को जानकर उन्हें प्रोत्साहित करने का दिन है।

इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के 'साईफाई–2024' के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये। कार्यक्रम में जेएनयू के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. प्रीति बक्शी, प्रोचांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, वाइस चांसलर प्रो आर एल रैना के साथ विभिन्न संकायों के निदेशक, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी भी उपस्थित थे। प्रो आर एल रैना, वाइस चांसलर ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों तथा उपस्थित प्रतिभाओं एवं विज्ञान क्षेत्र से जुड़े उत्कृष्ट शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने जेएनयू की आधारशिला से वर्तमान तक के उन्नत सफर से आगंतुकों को परिचित कराया तथा विज्ञान के हमारे जीवन और जीवन शैली में शामिल विभिन्न तकनीकों के लिए उन सभी लोगों का आभार जताया जिन्होंने अपनी रचनात्मकता से नए आविष्कार और अनुसंधान किये। उन्होंने छात्रों को चार सूत्र दिये – एंगेजमेंट, एन्थूसियाज़म, एक्साइटमेंट और इनोवेशन, जिनके माध्यम से वह अधिक से अधिक वैज्ञानिक खोज कर सकें।

रवि सैनी, एमएजेएमसी द्वितीय
हिमांशु पांडे, बीएजेएमसी द्वितीय

JNU Just In
An initiative of School of Media Studies

FDP on Blended Learning in Creative Fields

The Faculty Development Programme (FDP) on "Blended Learning in Creative Fields" organized by the School of Media Studies was held from February 19th to February 26th, 2024. The event aimed to enhance the pedagogical approaches of faculty members within the realm of media studies and to explore the potential of blended learning methodologies.

The highlight of the programme was the distinguished presence of Mr. Purushotam Diwakar, a renowned Photo Journalist associated with India Today, who served as the esteemed guest speaker. Mr. Diwakar's insights and expertise added significant value to the discourse surrounding blended learning and its applications in creative domains. Dr. Kiran Walia (HOD, School of Media Studies) welcomed Mr. Diwakar for the session.

The programme comprised a series of sessions conducted daily from 2:30 pm to 3:30 pm, providing a conducive environment for interactive learning and knowledge exchange among the participants. The sessions were meticulously designed to cover various aspects of blended learning, including its theoretical foundations, practical implementation strategies, and case studies relevant to media studies. Overall, the Faculty Development Programme on "Blended Learning in Creative Fields" was a resounding success, providing faculty members with valuable insights, practical strategies, and innovative approaches to enhance their teaching practices in media studies. The active participation of over 25 faculty members underscored the enthusiasm and commitment of the academic community towards professional development and pedagogical excellence.

As the School of Media Studies continues to embrace innovative teaching methodologies and adapt to the evolving landscape of media education, initiatives such as this FDP.

Self love

The sunlight from the
soon to set sun flooded the room,
It's golden hue filling
the pale walls with warmth....
All of a sudden my eyes fell on the
mirror,
And unlike always,
I did not see an insecure girl,
Instead, I saw the most
beautiful woman I'd ever seen,
It seemed like she was the muse
he dreamed and wrote about....
Golden brown skin and beautiful eyes
With irises that held the whole galaxy,
Soft lips curved into the prettiest smile
I'd ever seen...
Her eyes reflected love and warmth,
Unlike the dull and self hating ones
I'd usually see....
But I soon realized something,
She wasn't perfect in any sense,
textured skin and patchy eyebrows...
But still somehow I found her
amazingly pretty
I couldn't help myself but adore this
woman
And then I realized,
That beauty wasn't always perfect,
And like a wise man once said,
It is indeed in the eyes of the
beholder...
Maybe it is time I realised that,
I'm beautiful with each and
every imperfection of mine...

Alina Bijo BA English II sem
School of Language and Literature

जयपुर साहित्य महोत्सव

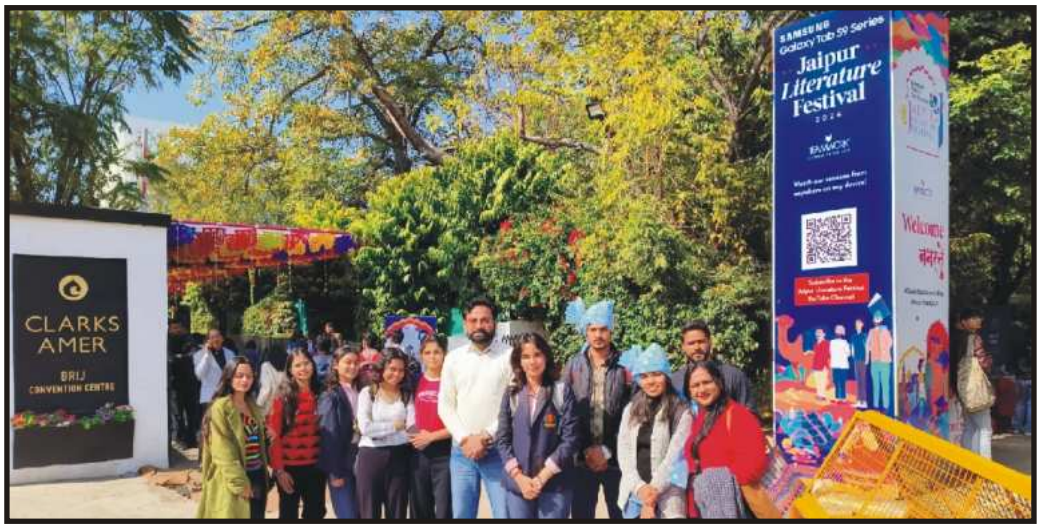

5 फरवरी, 2024 को, स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज़ जयपुर नेशनल के छात्रों ने, होटल क्लार्क आमेर, जयपुर में आयोजित जयपुर साहित्य महोत्सव 2024 में भाग लिया। विविध सांस्कृतिक और राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होकर छात्रों ने कार्यशालाओं में भाग लिया, जो राजस्थान की समृद्ध धरोहर की दृष्टिकोण प्रदान करते हुए, पगड़ियों को बांधने की कला को अनुभव किया छात्रों ने साहित्यिक सत्रों में सक्रिय भाग लिया, तथा साहित्य, संस्कृति, और राजनीति पर अपने दृष्टिकोण को विस्तारित किया। महोत्सव की बौद्धिक उत्साहजनक माहौल ने सीखने के लिए एक गतिशील परिसर प्रदान किया, जहां छात्र ने ज्ञान अर्जित कर उन विषयों पर सक्रिय रूप से चर्चा की। इस यात्रा ने छात्रों पर एक अमिट छाप छोड़ी। विभिन्न जाने–माने व्यक्तित्व इस आयोजन में मेहमान के रूप में मौजूद थे, जो छात्रों के अनुभव को और भी संवर्धित करने में सहायक रहे।

युवराज सिंह चौहान, एमएजेएमसी द्वितीय

जेएनयू का 13वां दीक्षांत ... पृष्ठ 1 से आगे...

देश के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए दृष्टि, साहस, दृढ़ विश्वास, सहानुभूति और ईमानदारी के पांच मंत्र होना आवश्यक है, शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करना ही नहीं है अपितु शिक्षा का उद्देश्य प्रतिभा का सदुपयोग कर समाज और देश की भलाई करना है। युवाओं से उन्होंने अपने कौशल और ज्ञान को लगातार समय के साथ विकसित करने की सलाह दी और उद्यमशीलता को अपनाने का सुझाव दिया। छात्रों को उन्होंने प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज की दुनिया में, शिक्षा ग्लोबलाइजेशन एवं विकास के नये आयामों के लिए आधारशिला के रूप में कार्य करती है। उनके अनुसार, शिक्षा करियर या डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त करने से परे है; इसका उद्देश्य अनुकरणीय और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए मूल्यों और सिद्धांतों को स्थापित करना है।

8000 से ज्यादा छात्रों को मिली डिग्रियां

दीक्षांत समारोह में जेएनयू मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस–2017 बैच के 145 और एमडी के 4 छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए डिग्रियां प्रदान की गयी। इसी के साथ समारोह में 75 छात्रों को गोल्ड मेडल, 55 छात्रों को पीएचडी तथा विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गयी।

इस अवसर पर जेएनयू के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. प्रीति बक्शी, प्रोचांसलर प्रो. एच. एन. वर्मा, वाइस चांसलर प्रो आर एल रैना के साथ विभिन्न संकायों के निदेशक, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी विभागों के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के

युवराज सिंह चौहान, एमएजेएमसी द्वितीय

Timeline
This Month...

February 24, 1582 - Pope Gregory XIII corrected mistakes on the Julian calendar by dropping 10 days and directing that the day after October 4, 1582 would be October 15th. The Gregorian, or New Style calendar, was then adopted by Catholic countries, followed gradually by Protestant and other nations.

••••••

February 8, 1587 - Mary Stuart, Queen of Scots, was beheaded at Fotheringhay, England, after 19 years as a prisoner of Queen Elizabeth I. She became entangled in the complex political events surrounding the Protestant Reformation in England and was charged with complicity in a plot to assassinate Elizabeth.

••••••

February 13, 1635 - Boston Latin School, the first tax-payer supported (public) school in America was established in Boston, Massachusetts.

••••••

Compiled by: Ms. Poonam

Vocabulary

Cybernetics: The mechanics and flow of information.

••••••

Censorship: The practice of suppressing a text or part of a text that is considered objectionable according to certain standards.

••••••

Connotation: A description of value, meaning or ideology associated with a media text that is added to the text by the audience.

••••••

Convergence: The merging of previously separate communication industries such as publishing, computers, film, music and broadcasting, made possible by advances in technology.

••••••

Cut: An edited transition between two images in which one image is immediately replaced by another.

••••••

Compiled by: Dr. Vijay Singh

मीडिया स्टडीज़ में क्विज़ प्रतियोगिता

स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज़, जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए दो क्विज़ प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई। जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों के ज्ञान का मूल्यांकन करना और उन्हें क्विज़ की संभावनाओं और प्रश्नों की निष्पक्षता से परिचित कराना था। इनका विषय भारतीय संविधान और ब्रांड मेनेजमेंट था।

प्रतिभागियों ने भारतीय संविधान और ब्रांड मेनेजमेंट से संबंधित प्रश्नों के बारे में अपने ज्ञान और कौशल का प्रयोग करते हुए उत्तर दिये।

आज की तेज़–तर्रार दुनिया में, स्कूल जाने वाले बच्चों में सीखने के प्रति प्रेम और आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ावा देना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। स्कूल ऑफ मीडीया स्टडीज़ की विभागाध्यक्ष डॉ किरन वालिया ने कहा कि क्विज़ अमूल्य उपकरण के रूप में काम करते हैं, जो छात्रों को महत्वपूर्ण सोच, समस्या–समाधान और टीम वर्क जैसे आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए सशक्त बनाते हैं, साथ ही विज्ञान की आकर्षक दुनिया की एक झलक भी प्रदान करते हैं।

प्रतियोगिता में बीएजेएमसी एवं एमएजेएमसी कोर्स के सभी छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किये गए।

शालिनी कुमारी, बीएजेएमसी चतुर्थ

Kathan

"When we strive to become better than we are, everything around us becomes better too."

- Paulo Coelho

••••••

"Opportunity is missed by most people because it is dressed in overalls and looks like work."

- Thomas Edison

••••••

"Setting goals is the first step in turning the invisible into the visible"

- Tony Robbins

••••••

"Women challenge the status quo because we are never it."

- Cindy Gallop

••••••

"Think like a queen. A queen is not afraid to fail. Failure is another stepping stone to greatness."

- Oprah Winfrey

••••••

Compiled by: Mr. Rahul K Darji

Poster by Yuvraj Singh Chauhan

Samwaad Bhatt

From wondering at the magic of cinema to recreating the magic wonderfully

JNU Jewel & Cinematic Genius

Content Writer @ "The Kapil Sharma Show"

Chief Patron: Dr. Sandeep Bakshi; **Patrons:** Prof. H. N. Verma, Prof. RL Raina; **Editor:** Dr. Sanjay Srivastava, Rahul Mittal; **Editorial Board:** Dr. Vijay Singh, Ms. Manisha Sharma

Student Editorial Team: Priya Ranjan, Ridhi; Mohit, Teena, Harshita; **Photography:** Mr. Gaurav Sharma, Mr. Roushan, Prem, Nitish